MANAGE BULLETIN
https://www.manage.gov.in/
January 2024

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)

मैनेज ने 75वां गणतंत्र दिवस मनाया

मैनेज ने दिनांक 26 जनवरी, 2024 को 75वें गणतंत्र दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने तिरंगा राष्ट्रीय ध्वज फहराया और मैनेज परिवार के सदस्यों को संबोधित किया।

अपने संदेश में उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान सभी को समान अवसर प्रदान करता है और उन्होंने सभी संकाय और भागीदारों से देश में वंचितों तक और अधिक प्रयासों के साथ पहुंचने का आग्रह किया। उन्होंने प्राकृतिक खेती पर कृषि सखियों को प्रशिक्षण, भविष्य के लिए पारंपरिक बीजों के संरक्षण, विद्यालय के बच्चों के लिए कृषि, डिजिटल कृषि, देसी कार्यक्रम के माध्यम से देश में एक लाख इनपुट डीलरों के प्रशिक्षण के सिमचिन्हों को पार करना, कृषि

महानिदेशक का संदेश

अगले वर्ष के लिए तैयारी

जैसा कि शैक्षणिक वर्ष 2023-24 तेजी से खत्म हो रहा है, यह हमें अगले साल के कार्यक्रमों की योजना बनाने के लिए तैयार होने का संकेत देता है। मैनेज ने अपने हितधारकों के साथ, अगले वर्ष की प्रशिक्षण और शोध गतिविधियों की रूपरेखा तैयार करने के लिए अपने परिसर में वार्षिक प्रशिक्षण योजना कार्यशाला-2024 का आयोजन किया। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, ईईआई, समेति, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों और मैनेज के संकाय सदस्यों के अलावा 25 मैनेज फैसिलिटेटरों का प्रतिनिधित्व करने वाले 60 से अधिक प्रमुख पेशेवरों, जो इस कार्यक्रम में ऑनलाइन शामिल हुए, कृषि विस्तार पेशेवरों की उभरती प्रशिक्षण और क्षमता आवश्यकताओं, सहयोगी प्रशिक्षण के अवसरों और भागीदार संस्थानों के साथ संयुक्त शोध पर मंथन करने के लिए परामर्श कार्यशाला में एकत्र हुए। इस कार्यशाला ने मैनेज, ईईआई और समेति को वर्ष 2024-25 के लिए अपने प्रशिक्षण प्रस्तावों को प्रस्तुत करने और साझा करने, भविष्य की क्षमता आवश्यकताओं, विशेष रूप से कृषि के उभरते क्षेत्रों में चर्चा करने और प्रशिक्षण विषयों को प्राथमिकता देने का अवसर प्रदान किया।

राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के शिक्षाविदों, ईईआई और समेति के संकाय सदस्यों और राज्य विभागों के अधिकारियों ने अपनी प्रशिक्षण आवश्यकताओं, मैनेज से अपेक्षाओं और सहयोगी प्रशिक्षण प्रस्तावों को सामने रखा। मैनेज के संकाय सदस्यों द्वारा आयोजित पैनल चर्चाओं ने भारत सरकार की चल रही योजनाओं और मैनेज नवाचारों को आगे बढ़ाने में ईईआई, समेति, एसएयू, आईसीएआर, अन्य हितधारकों की भागीदारी को बढ़ावा देने में मदद की, जो कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की प्राथमिकताओं और क्षमता निर्माण आयोग की वार्षिक क्षमता निर्माण योजना के साथ संरेखित है। इस परामर्श कार्यशाला के साथ, मैनेज ने वर्ष 2024-25 के लिए अपनी प्रशिक्षण योजना अभ्यास को नई क्षमता आवश्यकताओं को पूरा करने और भागीदार संस्थानों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए तैयार किया है। मुझे पूरा विश्वास है कि इसने सभी हितधारकों और भागीदार संस्थानों को अगले वर्ष के लिए उपयुक्त कार्यक्रम तैयार करने में भी मदद करेगा।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा
महानिदेशक, मैनेज

इस अंक में.....

- मैनेज ने 75वां गणतंत्र दिवस मनाया 1&3
- महानिदेशक का संदेश 2
- मैनेज में नववर्ष 2024 का जश्न मनाया गया 4
- मैनेज द्वारा प्रशिक्षित पूर्व सैनिकों ने 'सैनी खेतिहर' एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड का शुभारंभ किया 4
- वार्षिक प्रशिक्षण योजना कार्यशाला-2024 5
- भारत में कृषि-भंडारण के नए आयाम 6
- बाजार-संचालित मिलेट उत्पादन, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन प्रौद्योगिकियां 6
- प्रमाणित मिलेट सलाहकार कार्यक्रम 7
- कृषि में कार्बन क्रेडिट 7
- कृषि मूल्य शृंखला को बढ़ाने के लिए कृषि-तकनीक स्टार्टअप 8
- कृषि ज्ञानदीप ज्ञान व्याख्यान श्रृंखला : स्वयं सहायता समूह आंदोलन: आगे क्या 9
- कृषि ज्ञानदीप ज्ञान व्याख्यान श्रृंखला : कृषि सहकारी समितियों में चुनौतियां और अवसर 10
- मैनेज और एनआईआरडी एवं पीआर ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया 11
- मैनेज और एनआईटीटीई यूनिवर्सिटी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया 11
- इंटर्नशिप कार्यक्रम 12
- मैनेज में प्रदर्शनी 13 13
- नव नियुक्ति 13

मैनेज ने 75वां गणतंत्र दिवस मनाया

कौशल पर 6000 ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षण, एसी एवं एबीसी योजना के माध्यम से कृषि उद्यमिता, अन्तराष्ट्रीय संलयन कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन तथा पीजीडीएम (एबीएम) के छात्रों की नियुक्ति के क्षेत्र में मैनेज की बढ़ती गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने संकाय, कर्मचारी, भागीदार संगठनों और अन्य हितधारकों को धन्यवाद दिया जो मैनेज के कार्यक्रमों के सफल कार्यान्वयन में योगदान देते है।

इस अवसर पर, छात्रों ने महान नेताओं की देशभक्ति और त्याग को रेखांकित करते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। महानिदेशक-मैनेज ने वर्ष 2023 में मलेशिया के नॉटिंघम विश्वविद्यालय में सफलतापूर्वक इंटर्नशिप कार्यक्रम पूरा करने वाले पीजीडीएम (एबीएम) छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किया, मैनेज कर्मचारियों और छात्रों के लिए आयोजित खेल-कूद कार्यक्रम के विजेताओं और एसीएंडएबीसी योजना के तहत सर्वश्रेष्ठ नोडल प्रशिक्षण संस्थानों (एनटीआई) को पुरस्कार प्रदान किया।

मैनेज के संकाय ,कर्मचारी, कंसनटेन्ट और छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया, जिसमें आईटीईसी कार्यक्रम के विदेशी अधिकारियों और जय जवान किसान कार्यक्रम के सैनिकों की विशेष उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम में रेडक्रॉस सोसायटी के साथ मिलकर रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया।

मैनेज में नववर्ष 2024 उत्सव मनाया गया

मैनेज परिवार के सदस्यों ने एक मिलन समारोह में पूरे जोश और नई उम्मीदों के साथ मिलकर नववर्ष 2024 का स्वागत किया। नए साल की शुभकामनाएं देते समय, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने वर्ष 2023 में अपनी उपलब्धियों और नए साल में भविष्य की योजनाओं को साझा किया। डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने संकाय, कर्मचारियों, कंसलटेंट, सहयोगी संस्थानों और अन्य हितधारकों को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं जो किसानों के कल्याण के लिए मैनेज की योजनाओं और कार्यक्रमों में सहयोग देते है।

अपने नव वर्ष के संदेश में, उन्होंने आईटीईसी कार्यक्रमों और मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के सहयोग के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण में मैनेज के बढ़ते क्षितिज को साझा किया। उन्होंने भारत सरकार की योजनाओं जैसे एसी एंड एबीसी, देसी, एसटीआरवाई, पीजीडीएम (एबीएम) और परामर्श गतिविधियों में मील के पत्थर हासिल करने पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों विशेष रूप से प्राकृतिक खेती, कृषि अवरसंरचना कोष, कृषि स्टार्टअप और डिजिटल कृषि के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए नए साल में मैनेज के लिए भविष्य की रूप रेखा को रेखांकित किया, इसके अलावा ऑडिश के अधिकारियों के लिए महत्वपूर्ण विषयों पर और जम्मू और कश्मीर के अधिकारियों के लिए एफपीओ पर राज्य विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित किया।

इस अवसर पर, डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने नया साल 2024 का कैलेंडर जारी किया, जो मैनेज की प्रमुख गतिविधियों को दर्शाता है। मैनेज संकाय सदस्यों और चल रहे जय जवान किसान कार्यक्रम के सेना, नौसेना और वायुसेना के अधिकारियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

मैनेज द्वारा प्रशिक्षित पूर्व सैनिकों ने 'सैनी खेतिहर' एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड की शुरुआत की

नाबार्ड द्वारा समर्थित जय जवान किसान कार्यक्रम के तहत मैनेज द्वारा प्रशिक्षित पूर्व सैनिकों ने दिनांक 08 जनवरी, 2024 को हैदराबाद में बाजरा केंद्रित उद्यम में लोगो और 'सैनी खेतिहर एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड' उद्यम का शुभारंभ किया। यह उद्यम तेलंगाना के 11 पूर्व सैनिकों द्वारा हैदराबाद में बाजरा खुदरा दुकानों को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया था।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज, श्री वी. एस. श्रीराम डीजीएम, नाबार्ड, डॉ. सी. तारा सत्यवती, निदेशक, आईसीएआर-आईआईएमआर, सुश्री स्वाति तिवारी, डीजीएम, नाबार्ड, डॉ. एन. बालासुब्रमणि, निदेशक एसए एंड सीसीए, मैनेज, श्री रामा राव, एक पूर्व सैनिक और उद्यम के सीईओ उद्घाटन समारोह में मौजूद थे। महानिदेशक, मैनेज ने अपने संबोधन में डिजिटल मार्केटिंग का उपयोग करने, खाद्य वितरण प्लेटफार्मों का उपयोग करने और बाजरा उत्पादों को सभी तक पहुंचाने के लिए सार्वजनिक और निजी संगठन के साथ सहयोग करने का सुझाव दिया।

मैनेज वार्षिक प्रशिक्षण योजना कार्यशाला-2024

कृषि विस्तार पेशेवरों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं का आकलन करने और वर्ष 2024-25 के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करने के लिए मैनेज ने दिनांक 9 से 10 जनवरी, 2024 के दौरान अपनी वार्षिक प्रशिक्षण योजना कार्यशाला-2024 का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, ईईआई, समेति, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों और मैनेज संकाय सदस्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 60 पेशेवरों के अलावा 25 मैनेज सुविधाकर्ता भी ऑनलाइन शामिल हुए।

उद्घाटन संबोधन में, डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने वर्ष 2024 के लिए मैनेज का रोडमैप साझा किया, जिसमें समेति, ईईआई, एसएयू, गैर सरकारी संगठनों, निजी क्षेत्र और अन्य भागीदारों के साथ सहयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रम, भारत सरकार की योजनाओं, संयुक्त शोध को लागू करने और आत्मा, एफपीओ, कृषि उद्यमियों और ग्रामीण युवाओं को सशक्त बनाने के लिए मैनेज के नवाचारों को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। श्री सजित कुमार कुन्हालथ, निदेशक (कृषि सूचना), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और श्री अनिल, उप सचिव (विस्तार) ने नवीनतम कृषि प्रौद्योगिकियों, डिजिटल कृषि और कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन, सेंसर जैसी तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करने का सुझाव दिया।

पैनल चर्चाओं की एक श्रृंखला में, मैनेज के संकाय सदस्यों ने कृषि विस्तार में नवाचारों और कृषि विस्तार पेशेवरों की बदलती क्षमता आवश्यकताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने चल रही योजनाओं - कृषि स्टार्टअप्स- आरकेवीवाई-रफ्तार, एसीएवंएबीसी, पीजीडीएईएम, देसी, एसटीआरवाई,और कार्यक्रमों - पीजीडीएम-एबीएम, सीएफए/सीएलए, प्राकृतिक खेती, डिजिटल कृषि आदि पर भी प्रस्तुतियां दीं, और प्रतिभागियों को इस बारे में उन्मुख किया कि कैसे समेति, ईईआई और एसएयू मैनेज की गतिविधियों में अपनी भागीदारी बढ़ा सकते हैं और मुद्दों को सामने ला सकते हैं।

महानिदेशक, मैनेज की अध्यक्षता में हुई पैनल चर्चा में नए विषयों भारत के भावी किसान, राज्य विस्तार अधिकारियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय एसपोज़र विज़िट, पारंपरिक बीज किस्मों का सामुदायिक प्रबंधन और विस्तार परियोजना के तहत डिजिटल कृषि पर मंथन किया गया।

समापन सत्र के दौरान, डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने संस्थान ने समेति और ईईआई को मैनेज में अपने स्टाफ रिजूवनेशन कार्यक्रम आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया और आत्मा और उसके पदाधिकारियों के कायाकल्प की आवश्यकता पर बल दिया, क्षेत्र में तत्काल समस्याओं के समाधान के लिए त्वरित शोध पर ध्यान केंद्रित करने, संयुक्त प्रकाशन गतिविधि बढ़ाने और मैनेज की वेबसाइट के माध्यम से समेति और ईईआई की जानकारी के आदान-प्रदान पर बल दिया।

प्रतिभागियों के बीच संबंध मजबूत करने के लिए परिसर स्थित बोधी गार्डन में महानिदेशक, मैनेज द्वारा एक यादगार होलिका रात्रिभोज का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का समन्वय डॉ. श्रीनिवासाचार्युलु अत्तलूरी, उप निदेशक (ज्ञान प्रबंधन), मैनेज द्वारा किया गया।

भारत में कृषि-भंडारण के नए आयाम

मैनेज ने भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के प्रायोजन से दिनांक 8 से 12 जनवरी, 2024 तक “भारत में कृषि-भंडारण के नए आयाम” विषय पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में 20 डिपो प्रबंधकों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम में सरकारी नीतियों, जोखिम प्रबंधन और संचालन के पहलुओं को शामिल करते हुए कृषि विपणन और कृषि भंडारण पर बल दिया किया गया। इस कार्यक्रम में भंडारण प्रबंधन में डिजिटल अनुप्रयोगों और आधुनिक प्रथाओं को समझने के लिए बुब्बा स्टोरेज कोल्ड केयर प्राइवेट लिमिटेड और टीएसआईसी, हैदराबाद के क्षेत्र भ्रमण शामिल थे। अनाज भंडारण में अजैविक कारकों के प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसमें फसल नियंत्रण के लिए निवारक और उपचारात्मक उपचार शामिल हैं। यह पाठ्यक्रम कृषि भंडारण की व्यापक समझ के लिए सिद्धांत और व्यावहारिक जोखिम को जोड़ता है।

डॉ. शैलेन्द्र, निदेशक (कृषि विपणन), मैनेज ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

बाजार संचालित मिलेट उत्पादन, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन प्रौद्योगिकियां

मैनेज और आईसीएआर-आईआईएमआर, हैदराबाद ने संयुक्त रूप से दिनांक 16 से 18 जनवरी, 2024 के दौरान "मिलेट-संचालित बाजरा उत्पादन, प्रसंस्करण और मूल्य जोड़ प्रौद्योगिकियां" विषय पर एक ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य मिलेट उत्पादन और इसके विपणन पर ज्ञान प्रदान करना था। मंत्रालय सहित विभिन्न संगठनों के 100 से अधिक उम्मीदवारों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन भारत सरकार के क्षमता निर्माण आयोग के सुझावों के अनुसार किया गया था।

इस कार्यक्रम में मिलेट मूल्य श्रृंखलाओं के विकास और बाजार एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। ओडिशा राज्य मिलेट मिशन का मामला भी प्रतिभागियों के साथ साझा किया गया।

आईसीएआर-आईआईएमआर और ओडिशा मिलेट मिशन के विशेषज्ञों ने अपने अनुभव को साझा किया। इस कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. शैलेंद्र, निदेशक (कृषि विपणन), मैनेज के ने किया।

प्रमाणित मिलेट सलाहकार कार्यक्रम

मैनेज और आईसीएआर-आईआईएमआर ने संयुक्त रूप से प्रमाणित मिलेट सलाहकार कार्यक्रम मॉड्यूल- II का उद्घाटन किया जो दिनांक 22 जनवरी से 5 फरवरी, 2024 तक चला।

इस कार्यक्रम का लक्ष्य प्रमाणित मिलेट सलाहकार तैयार करना है जो मिलेट पर किसानों, राज्य सरकारों, केंद्र सरकार या अन्य को विशेषज्ञ विस्तार सेवाएं प्रदान कर सकें। दूसरा मॉड्यूल व्यावहारिक सत्रों के माध्यम से जर्मप्लाज्म संग्रह, मिलेट में उन्नत खेती प्रथाओं, पोषण सुरक्षा, जलवायु-लचीली मिलेट प्रौद्योगिकियों और मूल्य श्रृंखला विकास जैसे विषयों को शामिल करता है।

इसमें मिलेट प्राथमिक प्रसंस्करण पर व्यावहारिक प्रशिक्षण शामिल है, जिसमें मिलेट जीन बैंक, उन्नत खेती प्रथाओं, फसल सुधार इकाई, मिलेट प्रदर्शन इकाई और मिलेट इनक्यूबेशन केंद्र के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए आईसीएआर-आईआईएमआर और इक्रिसात, हैदराबाद का दौरा शामिल है।

उद्घाटन सत्र में डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज, डॉ. राजेश और डॉ. संगप्पा, आईसीएआर-आईआईएमआर के वैज्ञानिक ने उद्घाटन समारोह में भाग लिया। डॉ. एन. बालासुब्रमणी, निदेशक (एसए एवं सीसीए) इस कार्यक्रम के निदेशक है।

ओडिशा अधिकारियों के लिए कार्बन क्रेडिट पर प्रशिक्षण

मैनेज ने दिनांक 08 से 12 जनवरी, 2024 को ओडिशा सरकार द्वारा प्रायोजित "कृषि में कार्बन क्रेडिट" पर ओडिशा के कृषि विभाग के पच्चीस अधिकारियों के लिए चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम का लक्ष्य टिकाऊ कृषि पद्धतियों के माध्यम से ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन को संबोधित करना था। इसमें विषयों के रूप में कार्बन पृथक्करण, कार्बन क्रेडिट के अनुभव और कार्बन तटस्थता के लिए जलवायु लचीली कृषि को बढ़ाना शामिल था।

इस पाठ्यक्रम में कोर कार्बन सस्टेनेबल राइस इनिशिएटिव जैसी पहल और कार्बन बाजार तंत्रों की व्यावहारिक जानकारी शामिल थी। इन प्रतिभागियों ने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में टिकाऊ कृषि पद्धतियों की क्षमता का भी पता लगाया, जिसमें कोषेर क्लाइमेट और बूमित्र जैसे संगठनों के अध्ययन और अनुभव शामिल थे। डॉ. एन. बालासुब्रमणि, निदेशक, (एसए एवं सीसीए) ने इस कार्यक्रम के निदेशक के रूप में कार्य किया।

भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि मूल्य शृंखला को बढ़ाने के लिए कृषि-तकनीक स्टार्टअप

मैनेज ने विदेश मंत्रालय, भारत सरकार की भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) पहल के तहत दिनांक 17 से 30 जनवरी, 2024 को "कृषि मूल्य श्रृंखला को बढ़ाने के लिए कृषि-टेक स्टार्टअप्स" पर एक अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 14 देशों के कुल 30 अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें इथियोपिया, इराक, ट्यूनीशिया, कजाकिस्तान, दक्षिण सूडान, वियतनाम, नाइजीरिया, तंजानिया, मॉरीशस, युगांडा, दक्षिण अफ्रीका, नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका शामिल हैं।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय कृषि-स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र का पता लगाना, कृषि मूल्य श्रृंखलाओं में नवाचारों पर ध्यान केंद्रित करना और प्रतिभागियों को अपने देशों में कृषि स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने और स्थापित करने के लिए प्रेरित करना है। यह कृषि स्टार्टअप चिकित्सकों द्वारा सत्र और हैदराबाद में कृषि स्टार्टअप्स के लिए अन्वेषी दौरे प्रदान करता है।

समापन समारोह के दौरान, डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने नवाचारों और स्टार्टअप्स, उन्हें कृषि के साथ मिलाने, लागत प्रभावी प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों और विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन अनुकूलन, खाद्य प्रसंस्करण, उत्पादन प्रणालियों और रोजगार पैदा करने के लिए रसद के क्षेत्र में रोजगार के अवसरों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों को कार्यक्रम से विचार लेने और उन्हें अपने-अपने देशों में लागू करने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. सरवनन राज, निदेशक (कृषि विस्तार), मैनेज और सीएओ, मैनेज सीआईए, जिन्होंने कार्यक्रमों का समन्वय किया था, ने कार्यक्रम के दौरान हुई गतिविधियों का अवलोकन साझा किया और एनआईआरडी, आईसीआरआईएसएटी, एनएफडीबी, एलआर नेचुरल्स, टी-हब और हैदराबाद स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के दौरे के साथ-साथ उनके परिणामों को भी हाइलाइट किया।

कृषि ज्ञानदीप ज्ञान व्याख्यान श्रृंखला: व्याख्यान संख्या 26:

स्वयं सहायता समूह आंदोलन: आगे क्या?

श्रीमती सी एस रामलक्ष्मी, आईएफएस (सेवानिवृत्त) ने दिनांक 23 जनवरी, 2024 को "स्वयं सहायता समूह आंदोलन: आगे क्या" विषय पर 26वीं मैनेज कृषि ज्ञानदीप ज्ञान व्याख्यान श्रृंखला (केजीकेएलएस) दी। उन्हें संयुक्त आंध्र प्रदेश में स्वयं सहायता समूहों के विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता है, उन्होंने महिला सशक्तिकरण के लिए स्वयं सहायता आंदोलन को आगे बढ़ाने में आने वाली उत्पत्ति, मुद्दों और चुनौतियों को दिलचस्प कहानी कहने के तरीके से साझा किया।

उसने कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, मध्याह्न भोजन कार्यक्रम, कोविड के दौरान की पहल और लघु और मध्यम उद्यमों में महिला स्वयं सहायता समूहों की उपलब्धियों से जुड़े कई किस्से सुनाए। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि महिला एसएचजी समूहों और फेडरेशन के माध्यम से बनाई गई मानव पूंजी और सामाजिक पूंजी का उपयोग स्थायी किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की स्थापना के लिए किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि महिलाएं एकजुट होकर अधिक मजबूत होती हैं और प्रभावी नेतृत्व स्थापित कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि कृषि पर्यटन, रेशम उत्पादन, मुर्गीपालन, डेयरी, कृषि वानिकी, जलवायु अनुकूल कृषि और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के क्षेत्रों में महिला स्वयं सहायता समूहों को गतिविधियों से जोड़ने की काफी गुंजाइश है।

उन्होंने स्वतंत्र रूप से कार्य करने के लिए को सक्षम बनाने, क्षमता निर्माण के माध्यम से आजीवन सीखने, केवल ऋण वसूली के अलावा विभिन्न मानदंडों के आधार पर एसएचजी की रैंकिंग और एक त्रुटिरहित वित्तीय और लेखा परीक्षा प्रणाली; और पुरस्कारों के माध्यम से उपलब्धियों को पुरस्कृत करने पर बल दिया। महात्मा गांधी के 'दुनिया में जैसा बदलाव आप देखना चाहते हैं, वही बनें' उद्धरण को साकार करने के लिए उन्होंने कहा कि लोगों के जीवन को प्रभावित करने के लिए लीक से हटकर सोचने की जरूरत है।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने अपने संबोधन में श्रीमती सी. एस. रामलक्ष्मी के योगदान की सराहना की, जिसने महिलाओं के जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव लाया। डॉ. बी. रेणुका रानी, उप निदेशक (एनआरएम), मैनेज ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

पूरा वीडियो देखने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें:
https://youtu.be/KaIkz3Z_hl0?si=E4KqWi9pUsU1Ldye

कृषि ज्ञानदीप ज्ञान व्याख्यान श्रृंखला संख्या : 27

कृषि सहकारिता में चुनौतियां और अवसर

श्री ए. प्रवीण रेड्डी, अध्यक्ष, मुलकनूर सहकारी विपणन सोसायटी, तेलंगाना ने दिनांक 25 जनवरी, 2024 को "कृषि सहकारी समितियों में चुनौतियां और अवसर" विषय पर 27वीं मैनेज कृषि ज्ञानदीप ज्ञान व्याख्यान श्रृंखला (केजीकेएलएस) के तहत भाषण दिया।

उन्होंने छह दशकों से अधिक समय से मुलकनोईर सहकारी समिति की सफलता की कहानी और सदस्य किसानों को दी जाने वाली सेवाओं का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि किसी भी सहकारी की सफलता उसके सदस्य किसानों के स्वामित्व और ऋणों की चुकौती पर निर्भर करती है। उन्होंने बताया कि सहकारी समितियों को केवल किसानों को ऋण प्रदान करने तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि खाद, कीटनाशक, कस्टम हायरिंग सुविधाएं, गुणवत्तापूर्ण बीज, भंडारण सुविधाएं, बीमा, तकनीकी सहायता प्रदान करने और ग्रेडिंग, ब्रांडिंग और मूल्य वर्धित गतिविधियों में संलग्न होना चाहिए।

श्री ए. प्रवीण रेड्डी ने मुलकनूर सहकारी समिति द्वारा की गई पहलों को भी साझा किया, जिसमें बच्चों के लिए शिक्षा ऋण, चिकित्सा ऋण, विवाह ऋण, गृह ऋण और सदस्यों की मृत्यु जैसी गंभीर परिस्थितियों में वित्तीय सहायता शामिल है, जिससे सहकारी समिति के साथ उनका विश्वास और जुड़ाव बढ़ा है। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे मुलकनूर सहकारी समिति ने अपने सदस्यों की सेवा के लिए चावल मिल, जिनिंग मिल, सहकारी बैंक और मुलकनूर महिला डेयरी सहकारी के माध्यम से अपने कार्यों का विस्तार किया।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने अपने संबोधन में मुलकनूर सहकारी समिति को देश में एक सफल मॉडल सहकारी के रूप में आकार देने में श्री ए. प्रवीण रेड्डी के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्थानीय सोच और वैश्विक कार्रवाई को लागू करने के लिए मुलकनूर सहकारी समिति से बहुत कुछ सीखना है।

डॉ. बी. रेणुका रानी, उप निदेशक (एनआरएम), मैनेज ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

पूरा वीडियो देखने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें:
https://youtu.be/7QkBBhxyrBY?si=yu7om50fhBEUMtwY

मैनेज और एनआईआरडी एवं पीआर ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया

मैनेज और एनआईआरडी एवं पीआर ने कृषि और ग्रामीण विकास में अधिक सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। डॉ॰ पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज और डॉ॰ जी. नरेंद्र कुमार, आईएएस, महानिदेशक, एनआईआरडी एवं पीआर ने देश में बेहतर ग्रामीण आजीविका के लिए कृषि के क्षेत्रों में सहयोग करने के लिए दिनांक 01 जनवरी, 2024 को मैनेज में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। मैनेज और एनआईआरडी एवं पीआर टीम के संकाय सदस्यों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और सहयोग के संभावनाओं पर चर्चा की।

अपने-अपने संबोधन में, दोनों महानिदेशकों ने साझा किया कि ग्राम पंचायत विकास योजना (GPDP) में कृषि और संबद्ध गतिविधियों की योजना बनाने, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को कृषि-आधारित ग्रामीण सूक्ष्म उद्यमों में विकसित करने के लिए प्रशिक्षण और सहायता प्रदान करने, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरअलएम) और आत्मा (एटीएमए) के तहत स्वयं सहायता समूहों के अभिसरण, कृषि पर ग्रामीण विकास और पंचायती राज पदाधिकारियों के उन्मुखीकरण, एफपीओ पर प्रशिक्षण कार्यक्रम और सम्मेलन, बांस विकास, सामाजिक अंकेक्षण, कृषि श्रम, कृषि पर्यटन, कृषि में ड्रोन और संयुक्त शोध परियोजनाओं के अलावा संकाय विनिमय कार्यक्रमों, छात्र इंटर्नशिप और संयुक्त प्रकाशनों में सहयोग की काफी गुंजाइश है।

मैनेज और एनआईटीटीई यूनिवर्सिटी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज और डॉ. ए.पी. आचार, सीईओ, एआईसी, एनआईटीटीई इनक्यूबेशन सेंटर, एनआईटीटीई विश्वविद्यालय ने दिनांक 08 जनवरी, 2024 को मैनेज में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया।

इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य कृषि स्टार्टअप्स, कृषि में इनक्यूबेशन गतिविधियों, एफपीओ की क्षमता निर्माण, छात्रों के इंटर्नशिप कार्यक्रम, कृषि मूल्य श्रृंखलाओं और कृषि उद्यमिता में संयुक्त सम्मेलनों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ावा देने में सहयोग को बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम में मैनेज के संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

प्राकृतिक खेती पर छात्रों के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम

आचार्य एन. जी. रंगा कृषि विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के आठ छात्रों ने मैनेज में दस्तावेजीकरण कौशल और प्राकृतिक खेती के सिद्धांतों की समझ पर दो महीने का इंटर्नशिप कार्यक्रम पूरा किया।

इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान, प्रशिक्षुओं को चार समूहों में विभाजित किया गया और उन्हें आंध्र प्रदेश में प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों से जोड़ा गया। उन्होंने क्षेत्रीय दौरे के दौरान 160 सफलता की कहानियाँ और 160 वीडियो बनाए, जिसमें आंध्र प्रदेश के चार जिलों में प्राकृतिक खेती के तरीकों और उनके दस्तावेज़ीकरण पर प्रकाश डाला गया।

छात्रों ने इंटर्नशिप कार्यक्रम में उनके द्वारा बनाई गई सफलता की कहानियों और वीडियो पर मैनेज संकाय के समक्ष एक प्रस्तुति दी।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने इंटर्नशिप कार्यक्रम के सफल समापन पर प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित किया।

डॉ. एन. बालासुब्रमणि, निदेशक (एसए एंड सीसीए) ने कार्यक्रम का समन्वय किया। नेचुरल फार्मिंग टीम, डॉ. श्रीनिवासाचार्युलु अत्तालूरी, उप निदेशक (ज्ञान प्रबंधन) और मूक्स टीम ने कार्यक्रम में इनपुट प्रदान किया।

कृषि उन्नति मेला 2024 में मैनेज का चमकना

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय दिनांक 1 जनवरी, 2024 को झारखंड के खरसावां जिले में कृषि उन्नति मेले का आयोजन कर रहा है, जिसके उद्घाटन के लिए माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री श्री अर्जुन मुंडा की विशिष्ट उपस्थिति रहेगी।

कार्यक्रम के दौरान माननीय केंद्रीय मंत्री ने मैनेज-सीआईए अनुदानकर्ताओं, प्रकृति ओ प्रकृति कंज्यूमर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और तिस्या एग्री वेंचर्स एलएलपी के साथ गहन चर्चा की। इस स्टार्टअप्स ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया और अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों पर जोर दिया, जिससे कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा।

नव नियुक्ति

श्रीमती किरणमयी धेनुवाकोंडा ने दिनांक 4 जनवरी, 2024 को मैनेज में अकादमिक एसोसिएट के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने मत्स्य विज्ञान में स्नातक और मत्स्य विस्तार में स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी की है। वर्तमान में, वह आईसीएआर-केंद्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान, मुंबई से मत्स्य विस्तार में पीएचडी कर रही हैं। उन्होंने तेलंगाना में मछली किसानों के लिए एक एंड्रॉइड-आधारित मोबाइल एप्लिकेशन और बायोफ्लोक फिश कल्चर के लिए आईओटी प्रोटोटाइप विकसित किया है। इसके अलावा, उन्होंने वयस्क शिक्षा विषय में राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण की है। उन्होंने राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों की कार्यवाही में चार शोध पत्र और दो सार लिखे हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने पत्रिकाओं और मैनुअल में तीन लोकप्रिय और तकनीकी लेख लिखे हैं।

संपादकीय टीम

मैनेज बुलेटिन प्रकाशित किया जाता है।
डॉ. पी. चंद्रा शेखरा
महानिदेशक
राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)
राजेंद्रनगर, हैदराबाद -500030, भारत

वेबसाइट: www.manage.gov.in

मुख्य संपादक
डॉ. पी. चंद्रा शेखरा
महानिदेशक, मैनेज

संपादक
डॉ. श्रीनिवासाचार्युलु अत्तालूरी
उप निदेशक (ज्ञान प्रबंधन), मैनेज

सहायक संपादक
कृष्णा दाभोलकर
आउटरीच विशेषज्ञ, मैनेज

हिन्दी अनुवाद
सुश्री पुजा दास,
वरिष्ठ अनुवादक, मैनेज